

**चिदालोक** पुं. (तत्.) सदैव बना रहने वाला आत्म प्रकाश।

**चिद्** पुं. (तत्.) दे. चित्।

**चिद्रूप** पुं. (तत्.) चैतन्य स्वरूप ब्रह्म, ज्ञानमय परमात्मा या परमात्म तत्त्व।

**चिद्विलास** पुं. (तत्.) चैतन्य स्वरूप परमात्मा की माया।

**चिन** पुं. (देश.) हिमालय पर शिमला के आसपास बहुतायत में पाया जाने वाला सदाबहार जाति का बहुत बड़ा पेड़।

**चिनक** स्त्री. (देश.) जलनयुक्त पीड़ा, दर्द, चुनचुनाहट, मूत्र-नली में होने वाली जलन या पीड़ा क्रि. चिनगना- जलन होना, चुनचुनाना।

**चिनगटा** पुं. (देश.) चिथड़ा, चिथड़े का टुकड़ा।

**चिनगारी** स्त्री. (देश.) जलती हुई आग का छोटा-सा कण, 'स्फुलिंग' 2. दहकती आग में से फूट-फूट कर उड़ने वाला कण, अग्निकण।

**चिनगी** स्त्री. (देश.) चिनगारी।

**चिनना** स.क्रि. (देश.) चुनना।

**चिनवाना** स.क्रि. (देश.) चुनवाना।

**चिनाई** स्त्री. (देश.) चिनना, चुनना, ईंटों से दीवाल आदि की जुड़ाई करने का कार्य अथवा उस कार्य की मजदूरी।

**चिनाना** स.क्रि. (देश.) चुनवाना, ईंट आदि की जुड़ाई करना, घर या दीवार आदि उठवाना।

**चिनाब** पुं. (देश.) पंजाब की एक नदी 'चंद्रभागा'।

**चिनार** पुं. (देश.) एक प्रकार का वृहद् वृक्ष जो कश्मीर में होता है।

**चिनिया** वि. (देश.) चीनी के रंग का, सफेद, चीनी, चीन देश का।

**चिनीटिया** वि. (देश.) चुन्नन या चुभन वाला, चुभा हुआ।

**चिन्मय** वि. (तत्.) ज्ञानमय, भक्ति में लीन पुं. परमेश्वर।

**चिपकना** अ.क्रि. (देश.) किसी लसीली वस्तु के दो चीजों के बीच में आने के कारण उनका परस्पर जुड़ जाना जिससे कि वे अलग न हो सके, 'सटना' श्लिष्ट होना, चिमटना 2. प्रगाढ़ रूप से संयुक्त होना, लिपटना 3. रोजगार से लगना।

**चिपकाना** स.क्रि. (देश.) किसी लसीली वस्तु को दो वस्तुओं के बीच में लगाकर परस्पर इस तरह जोड़ना कि वे जल्दी अलग न हो सके, कागज पर टिकट चिपकाना, लिपटाना, परस्पर जोड़ना 2. नौकरी लगाना, काम-धंधे से लगाना।

**चिपचिप** पुं. (अनु.) किसी लसदार वस्तु को छूने से होने वाला शब्द या अनुभव।

**चिपचिपा** वि. (देश.) लसदार, जिसे छूने से हाथ चिपकता हुआ जान पड़े, कसीला, चिपकने या चिपकाने वाला।

**चिपचिपाहट** स्त्री. (देश.) चिपचिपाने का भाव, चिपकने की प्रवृत्ति का भाव, लसीलापन।

**चिपट** वि. (देश.) 1. चपटा, सटा हुआ, जिसकी सतह दबी हुई हो, बैठा या धँसा हुआ 2. चिपटी नाक वाला।

**चिपटना** अ.क्रि. (देश.) 1. इस प्रकार जुड़ना कि शीघ्र अलग न हो सके 2. किसी के पीछे पड़कर उसका साथ न छोड़ना।

**चिपटा** वि. (देश.) जो कहीं से उठा हुआ और उभरा हुआ न हो, बराबर फैली सतह वाला।

**चिपटाना** स.क्रि. (देश.) 1. चिपकाना, लिपटाना 2. किसी के साथ लगा देना।

**चिपटी** वि. (देश.) धँसी हुई, जो उठी हुई न हो स्त्री. 1. कान में पहने जाने वाली बाली जिसे नेपाली स्त्रियाँ प्रायः पहनती हैं 2. भग, योनि।

**चिपड़ा** वि. (देश.) जिसकी आँख में अधिक चीपड़ रहता हो 2. कीचड़युक्त आँख वाला पुं. चीपड़ या कीचड़ वाली आँख-वाला आदमी।

**चिपड़ी** स्त्री. (देश.) गोबर के पाथे हुए चिपटे-कंडे, उपले।

**चिपुट** पुं. (तत्.) चिउड़ा।